संख्याः 16 / III (3)/2018–41(सामान्य)2007

प्रेषक,

दिनेश कुमार पुनेठा,
अनु सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

लोक निर्माण अनुभाग–3 देहरादून, दिनांकः 04 जनवरी 2018

विषयः– मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार, देहरादून द्वारा दिनांक 09.12.2017 को के केदारनाथ धाम में गतिमान पुनर्निर्माण कार्यो की स्थलीय निरीक्षण टिप्पणी।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कार्यालय मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन का पत्र संख्या 1367/ नि0स0–मु0स0/2017, दिनांक 27.12.2017 **(छायाप्रति संलग्न)** का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार, देहरादून द्वारा दिनांक 09.12.2017 को केदारनाथ धाम में गतिमान पुनर्निर्माण कार्यो की स्थलीय निरीक्षण का कार्यवृत्त उपलब्ध कराया गया है। ।

2– इस सम्बन्ध में उक्त संदर्भित पत्र दिनांक 26.12.2017 की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि लोक निर्माण विभाग से सम्बन्धित बिन्दुओ पर आवश्यक करते हुए अद्यतन निरीक्षण आख्या से शासन को तत्काल उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

संलग्न :– यथोपरि।

भवदीय,

(दिनेश कुमार पुनेठा)
अनु सचिव।

संख्याः / III (3)/2014, तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि, निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को उनके पत्र दिनांक 26.12.2017 के क्रम में सूचनार्थ प्रेषित।

(दिनेश कुमार पुनेठा)
अनु सचिव।

प्रदेश के मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत व मुख्य सचिव उत्पल कुमार प्रातः 10:10 बजे केदारनाथ पहुँचे। हैलिपेड से केदारनाथ मंदिर तक मा0 मुख्यमंत्री ,मुख्स सचिव ने केदारनाथ में चल रहे पुनर्निर्माण कार्यो का पैदल स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने केदारनाथ मदिर परिसर को 16 फीट बढ़ाने के निर्देश जिलाधिकारी को दिए। साथ ही कहा कि मंदिर से सर्किल प्वांइट तक बन रहे पैदल मार्ग पर पौराणिक शैली के पत्थर का प्रयोग किया जाएगा ताकि धाम अधिक सुशोभित होगा व पर्यटक आकर्षित होंगे।

मा0 मुख्यमंत्री ने कहा कि आागामी यात्राकाल में श्रद्धालुओं को और अधिक बेहतर सुविधाएँ प्रदान की जाएगी। गौरीकुण्ड से केदारनाथ तक घोड़े–खच्चर व पैदल यात्रियों के लिए अलग–अलग दो रास्ते बनाए जाएगे। साथ ही सरस्वती नदी पर बन रहे बाढ़ सुरक्षा कार्य व मंदाकिनी नदी का जायजा भी लिया। मुख्यमंत्री ने निम की कैंटीन व्यवस्थाओ का जायजा लेने के साथ ही धाम में कार्य कर रहे मजदूर, कर्मचारियों के हाल–चाल भी पूछे। कहा कि पुनर्निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को किसी प्रकार की कमी न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

जिलाधिकारी मंगेश घिल्डियाल ने बताया कि केदारनाथ में संचालित पुनर्निर्माण कार्य पर्यावरण के अनुरूप किए जा रहे है। साथ ही कार्यदायी संस्था को मन्दिर परिसर के पीछे स्थित पत्थरों के आस–पास सफाई करने के निर्देश दिए। कहा कि इन पत्थरों को हटाया न जाए बल्कि इस प्रकार रूपांतरित किया जाए जिससे श्रद्धालु आस–पास घूम सके, योगाभ्यास कर सके।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक पीएन मीना, अधि0अभि0 लोनिवि मनोज दास,डॉ गैरोला, विशाल वर्मा, प्रभारी अधिकारी देवानंद, तहसीलदार रूद्रप्रयाग श्रेष्ठ गुनसोला, निम के देवेन्द्र बिष्ट सहित पुलिस प्रशासन, एसडीआरएफ मौजूद थे।

8– मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा अपेक्षा की गई कि लछमोली–केदारनाथ मार्ग का सुधारीकरण PWD द्वारा युद्धस्तर पर किया जाए ताकि तीर्थ यात्रियों को पैदल चलने में कम असुविधा हो।

(कार्यवाही–मुख्य अभियंता, लो0नि0वि0, उत्तराखण्ड/जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग।)

9– मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा श्री केदारनाथ धाम क्षेत्र अन्तर्गत साधू–सन्तों द्वारा गुफाओं में साधना करने के दृष्टिगत स्थान गरूड़चट्टी के आस–पास 4 गुफाओं हेतु जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग को स्थल चयन कराते हुए साधू–सन्तों की तपस्या हेतु बेहतर बनाने के निर्देश दिये गये।

(कार्यवाही– जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग।)

(उत्पल कुमार सिंह)
मुख्य सचिव

कार्यालय मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन
संख्याः1367/नि0स0–मु0स0/2017
दिनांक26 दिसम्बर, 2017

प्रतिलिपि– निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. अपर मुख्य सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
2. निजी सचिव–मा0 मंत्री जी पर्यटन, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
3. प्रमुख सचिव, सिंचाई, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
4. सचिव, पर्यटन, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
5. जिलाधिकारी, रुद्रप्रयाग।
6. प्रधानाचार्य, एन.आई.एम., केदारनाथ।
7. पुलिस अधीक्षक, रुद्रप्रयाग।
8. मुख्य अभियंता, लो.नि.वि., उत्तराखण्ड, देहरादून।
9. मुख्य अभियंता, सिंचाई, उत्तराखण्ड, देहरादून।
10. प्रतिनिधि, जे.एस.डब्लू. ग्रुप, हाल केदारनाथ।

(उत्पल कुमार सिंह)
मुख्य सचिव

4– मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा सरस्वती नदी पर चल रहे घाट निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया एवं निर्देश दिये गये कि इन घाटों को भी स्थानीय पत्थरों एवं पारम्परिक पहाड़ी शैली से बनाना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–मुख्य अभियंता, लो0नि0वि0, उत्तराखण्ड/प्रधानाचार्य एन.आई.एम. केदारनाथ/प्रतिनिधि जे.एस.डब्ल्यू. ग्रुप, जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग।)

5– मुख्य सचिव द्वारा सुझाव दिया गया कि केदारनाथ मंदिर के पीछे के स्थान पर ब्रह्मकमल, Himaylayan, Blue poppy जैसे फूलों की वाटिका विकसित किया जाए, जिस पर मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा भी सहमति व्यक्त की गई एवं जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग को निर्देशित किया गया कि इस दिशा में आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–मुख्य अभियंता, लो0नि0वि0, उत्तराखण्ड/प्रधानाचार्य एन.आई.एम. केदारनाथ/जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग।)

6– मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रतिनिधि जे.एस.डब्ल्यू. को निर्देशित किया गया कि मंदिर के दृश्य–अक्ष पर पड़ने वाले भवनों के अग्र भाग को केदारनाथ मंदिर से मेल खाती हुई पहाड़ी शैली से बनाया जाए ताकि यथासंभव एकरूपता दिखाई दे। सभी घरों के अग्र भाग के निर्माण में पहाड़ी शैली को ध्यान में रखते हुए कार्य किया जाए।

(कार्यवाही–मुख्य अभियंता, लो0नि0वि0, उत्तराखण्ड/प्रधानाचार्य एन.आई.एम. केदारनाथ/प्रतिनिधि जे.एस.डब्ल्यू. ग्रुप/जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग।)

7– मा0 मुख्यमंत्री जी स्थान रामबाड़ा से गरूड़चट्टी होते हुए केदारनाथ धाम तक के पैदल मार्ग के सम्बन्ध में पृच्छा करने पर मुख्य अभियंता लो0नि0वि0 द्वारा अवगत कराया गया कि इस मार्ग का सर्वे विभाग द्वारा पूरा कर लिया गया है एवं वर्तमान में डी0पी0आर0 बनाये जाने की कार्यवाही गतिमान है। इस संबंध में मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा मुख्य अभियंता, लो0नि0वि0 को निर्देशित किया गया कि लो0नि0वि0 इस संबंध में यह प्रयास सुनिश्चित करे कि आगामी केदारनाथ यात्रा से पूर्व इस पैदल मार्ग को घोड़े–खच्चरों के आवागमन हेतु बनाया जा सके।

(कार्यवाही–मुख्य अभियंता, लो0नि0वि0, उत्तराखण्ड/जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग।)

मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार, देहरादून द्वारा दिनांक 09.12.2017 को के केदारनाथ धाम में गतिमान पुर्ननिर्माण कार्यों की स्थलीय निरीक्षण टिप्पणी

---000---

मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार, देहरादून द्वारा दिनांक 09.12.2017 को श्री केदारनाथ धाम में गतिमान पुर्ननिर्माण कार्यों का मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन, जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग, पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग, मुख्य अभियंता लो0नि0वि0, जिला आपदा प्रबन्धन अधिकारी/डिप्टी कलेक्टर रुद्रप्रयाग, अधिशासी अभियंता डी0डी0एम0ए0 रुद्रप्रयाग, तहसीलदार रुद्रप्रयाग, सहायक अभियंता डी0डी0एम0ए0, सहायक अभियंता सिंचाई खण्ड केदारनाथ, प्रभारी एन0आई0एम0 केदारनाथ, प्रतिनिधि जे0एस0डब्लू0 सहित अन्य संबंधित अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

1– श्री केदारनाथ धाम क्षेत्र में मंदाकिनी एवं सरस्वती नदियों के संगम स्थल से मंदिर के दृश्य–अक्ष के अंतिम छोर पर बन रहे वृत्ताकार चबूतरे का निरीक्षण किया गया। मंदिर के दृश्य–अक्ष के बीच में जो संरचनायें आ रही हैं उनमें से 08 घर चयनित किये गये हैं, उन्हें मंदिर के दृश्य–अक्ष को बनाये रखने हेतु 10 से 15 फिट तक हटाया जाना है ताकि दूर से मंदिर का दृश्य स्पष्ट दिखाई दे सके। मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा निर्देश दिये गये कि यदि इस रास्ते में कोई सरकारी अथवा निजी भवन आ रहे हों तो उन्हें पीछे की तरफ re locate करने की व्यवस्था की जाए।

(कार्यवाही–मुख्य अभियंता, लो0नि0वि0, उत्तराखण्ड/अधि0अभि0 सिविल इकाई, डी.डी.एम. ए., रुद्रप्रयाग/जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग।)

2– केदारनाथ धाम स्थित मंदाकिनी नदी पर सिंचाई विभाग द्वारा के द्वारा कार्य प्रारम्भ किया जाना है। इस संबंध में मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा सिंचाई विभाग के अधिकारियों को तत्काल कार्य प्रारम्भ कराने के निर्देश दिये गये।

(कार्यवाही–मुख्य अभियंता, सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड/अधि0अभि0 सिंचाई खण्ड केदारनाथ /जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग।)

3– मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा श्री केदारनाथ मंदिर के पीछे जहां आदिगुरू शंकराचार्य स्थल का निर्माण किया जाना है, का निरीक्षण किया गया तथा निर्देश दिये गये कि इस स्थान की प्राकृतिक सुंदरता, पारिस्थितिकी एवं आध्यात्म भाव को ध्यान में रखकर landscaping करने का प्रयास किया जाए।

(कार्यवाही–मुख्य अभियंता, लो0नि0वि0, उत्तराखण्ड/प्रधानाचार्य एन.आई.एम. केदारनाथ/प्रतिनिधि जे.एस.डब्ल्यू. ग्रुप, जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग।)